शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लो कप्रिय अखबार

सिवनी

# राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

गुरुवार 13 अगस्त 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 11 • अंक : 100 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

## न्यूज ब्रीफ

### कर्नाटक सरकार ने निकोटीन उत्पादों पर लगाई 1 साल की रोक

**बेंगलुरु।** कर्नाटक सरकार ने जनहित को ध्यान में रखते हुए तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने राज्य में ऐसे उत्पादों की बिक्री और वितरण पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगाने का नोटिफिकेशन जारी किया है। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 10 अगस्त 2026 को जारी किया गया यह आदेश नोटिफिकेशन की तारीख से एक साल तक पूरे कर्नाटक में प्रभावी रहेगा। इसके तहत गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले अन्य प्रतिबंधित उत्पादों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

### बंगाल के हावड़ा में 50 से 68 होंगे वार्ड, नया बिल पास

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को हावड़ा नगर निगम में वार्डों की संख्या 50 से बढ़ाकर 68 करने वाला बिल पास कर दिया। सरकार ने 7 फरवरी को विधानसभा से पास पुराना संशोधन विधेयक वापस ले लिया। शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि आबादी के वितरण में बदलाव के चलते वार्डों का पुनर्गठन जरूरी है। इससे नागरिकों को बेहतर और प्रभावी सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने पिछली तृणमूल सरकार पर निकाय चुनाव टालने और हावड़ा को 200 करोड़ रुपए के वित्तीय आवंटन से वंचित रखने का आरोप भी लगाया।

### कश्मीरी पंडित कर्मियों को धमकी के बाद वर्क फ्रॉम होम के आदेश

**श्रीनगर।** कश्मीर में दो प्रवासी मजदूरों और एक पुलिस जवान की हत्या के बाद कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को आतंकी धमकी मिली है। ऑनलाइन जारी पत्र में कई कर्मचारियों के नाम और फोन नंबर दिए गए हैं। उन्हें कश्मीर न लौटने की चेतावनी दी गई है। धमकी के बाद सरकार ने कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को 25 अगस्त तक वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है। पत्र में जिन 6 कर्मचारियों के नाम हैं, उन्हें जम्मू भेज दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां पता लगा रही हैं कि आतंकियों तक कर्मचारियों की जानकारी कैसे पहुंची।

**राष्ट्रबाण**

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

# मप्र-राजस्थान में 3 दिनों से बारिश, कई जगह बाढ़ जैसे हालात

## नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा; काशी में 100 मंदिर डूबे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

**देश** के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून एक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है।

भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब 200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झाबुआ, धार, बड़वानी और इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है। उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है। कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की टनल के एक हिस्से में दो-तीन फीट तक पानी भरा हुआ है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके चलते जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पानी भर गया था। इसका वीडियो आज सामने आया है। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं।

### यूपी नदी में स्कॉर्पियो में सवार 6 लोग बहे

पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर में शाहपुर गाड़ा नदी पर बना पुल डूब गया। मंगलवार शाम को पुल पर स्कॉर्पियो कार फंस गई। स्कॉर्पियो सवार 6 लोग कार सहित बहने लगे। किसी तरह कार से कूदकर लोगों अपनी जान बचाई। बाद में आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर से कार बाहर निकाली।

### ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट

बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के असर से ओडिशा में तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित बालासोर और भद्रक जिलों में बेहद भारी बारिश का अनुमान जताया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, यह सिस्टम अगले 24 घंटे में डिप्रेशन में बदल सकता है। डिप्रेशन, लो प्रेशर एरिया से ज्यादा ताकतवर और उष्णकटिबंधीय चक्रवात से कम तीव्र मौसम प्रणाली होती है।

### मुंबई समेत 9 जिलों के लिए येलो अलर्ट

महाराष्ट्र में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के कोंकण क्षेत्र के साथ-साथ नासिक, सतारा और कोल्हापुर केल लिए बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

### हिमाचल में बारिश से 313 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में बुधवार को तेज और लगातार बारिश के कारण 313 सड़कें बंद हो गईं। मौसम विभाग ने राज्य में 18 अगस्त तक अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 17 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के मुताबिक, बुधवार दोपहर तक राज्यभर में 313 सड़कें, 65 पानी की सप्लाई योजनाएं और 112 ट्रांसफॉर्मर प्रभावित थे।

# शाह बोले- स्पीकर चर्चा के लिए घंटे तय करें

## मैं सदन में रहूंगा, ओम बिरला को लेटर लिखा; राहुल बोले- हमें लेक्चर नहीं सुनना

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

**गृह मंत्री** अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की। इससे पहले सुबह सदन के बाहर शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे।

इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाई। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' इस बीच सरकार ने एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में रखा, जिसे मंजूरी मिल गई। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे।

### शाह का लोकसभा स्पीकर को लेटर, कहा- चर्चा के लिए समय तय करें

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्य मंत्रणा समिति (ब्ष्ट) की बैठक के दौरान सरकार की ओर से ह्श्वश्वज्ञ परीक्षा को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि विपक्ष की मांग से पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में एंटी पेपर लीक बिल पेश किया गया। उस समय विपक्ष के किसी भी सदस्य ने सदन में ह्श्वश्वज्ञ परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात नहीं रखी थी।

इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर दोबारा चर्चा के लिए तैयार है। मेरा अनुरोध है कि आप विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर आज से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें।

### राहुल बोले- शाह सदन में क्यों नहीं आए

राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

### एफसीआरए संशोधन बिल जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

लोकसभा ने हंगामे के बीच एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को जेपीसी के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है। बिल में कुछ आपत्तिजनक है तो विपक्ष जेपीसी के सामने अपनी बात रख सकता है।खुश होने के चक्कर में इसका विरोध करना अफसोस की बात है। वहीं, अखिलेश यादव ने एफसीआरए बिल का विरोध करते हुए कहा कि पूरा विपक्ष इसके खिलाफ है। रिजिजू के इस दावे पर कि बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है, अखिलेश ने सवाल किया- आप बताइए कि कौन सा बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है?

### खड़गे बोले- शाह के रोज गैरहाजिर होने का धंधा, नड्डा बोले- आप चर्चा से भाग रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में अमित शाह की सदन में गैरहाजिरी पर निशाना साधते हुए कहा- जिनके नाम से बिल है, किसी कारण से वे अबसेंट हैं तो वो चलेगा। लेकिन उनका रोज का धंधा हो गया है। उन्हें बुलाइए। जेपी नड्डा ने खड़गे पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप चर्चा से भागिए मत।

### संसदीय पैनल ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगे तीनों आरोप सही पाए

संसदीय जांच पैनल ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगाए गए आरोप सही पाए हैं। यह मामला उनके सरकारी आवास के स्टोररूम से नकदी मिलने से जुड़ा है। पैनल की रिपोर्ट बुधवार, 12 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की काफी मात्रा मिली थी, लेकिन जस्टिस वर्मा नकदी के स्रोत, मालिकाना हक या वहां मौजूद होने की संतोषजनक वजह नहीं बता सके। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट के जज पद से इस्तीफा दे चुके हैं।

## पाकिस्तान में इमरान खान की मौत का दावा झूठा

### दावा करने वाला पत्रकार एक दिन बाद पलटा

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत का दावा झूठा निकला है। मंगलवार को पाकिस्तानी पत्रकार वजाहत सईद खान ने उनकी मौत का दावा किया था, हालांकि एक दिन बाद ही वह अपनी बात से पलट गए। उन्होंने मंगलवार को वीडियो जारी करके दावा किया था कि रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय के कम से कम तीन वरिष्ठ अधिकारियों को डर है कि इमरान खान अब जिंदा नहीं हैं। पत्रकार के दावे के बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने कहा है कि अगर उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई।

## 'सीजेपी की मीटिंग होने दी तो उलटा लटका देंगे'

### अभिजीत दीपके बोले- ये कर रही भाजपा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

**दिल्ली** के नारायणा में होने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के वॉलंटियर्स की मीटिंग बुधवार को कैंसल कर दी गई। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने इसके पीछे भाजपा पर आरोप लगाया और कहा कि बीजेपी के दबाव की वजह से ही आखिरी मिनट में हॉल की बुकिंग कैंसिल की गई। उन्होंने कहा कि हॉल मालिकों को धमकियां दी गईं कि अगर सीजेपी की मीटिंग होने दी, तो फिर उलटा लटका दिया जाएगा।

अभिजीत दीपके ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'आज दिल्ली में हमारे वॉलंटियर्स की मीटिंग होनी थी। हम हॉल ढूंढ रहे थे, लेकिन कोई हमें हॉल किराए पर नहीं दे रहा था। सब यही कह रहे थे कि ऊपर से दबाव है। बड़ी मुश्किल से हमें यह हॉल मिला था। लेकिन आज सुबह ही हॉल के मालिकों को धमकियां मिलीं। उनसे कहा गया कि अगर उन्होंने यहां सीजेपी की मीटिंग होने दी, तो उन्हें उलटा लटका दिया जाएगा।

# टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा : फरवरी तक जिम्मेदारी संभालेंगे

## नोएल टाटा से मतभेद, ट्रस्ट में खींचतान बनी वजह

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

**टाटा** संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा कंज्यूमर के शेयर 3% तक नीचे हैं।

### चंद्रशेखरन ने इस्तीफा देते हुए क्या कहा

चंद्रशेखरन ने कहा कि, 'टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी। इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था। हालांकि, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मत समर्थन न मिलने की वजह से मैंने इस फैसले को टालने का विकल्प चुना। उस बोर्ड मीटिंग को हुए 6 महीने बीत चुके हैं और आज तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। फरवरी 2027 के बाद ग्रुप की अगुआई करने के लिए न सिर्फ एक लीडर का होना जरूरी है, बल्कि कर्मचारियों, निवेशकों, पार्टनर्स और बाकी स्टेकहोल्डर्स के लिए लीडरशिप को लेकर स्पष्टता होना भी बहुत जरूरी है।'

# घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 7 की मौत

## 7 घायल; मलबे में दबे लोगों की कैमरों से तलाश, संकरी गलियों में मशीनों का पहुंचना मुश्किल

राष्ट्रबाण | मुंबई | एजेंसी | rashtrabaan.in

**मुंबई** के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3:48 बजे गोसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा।

हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 7 लोगों की मौत हुई। 7 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। ब्ष्ट्रक्रगणेश शिंदे ने बताया कि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

बीएमसी के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है। घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है। संकरी गलियों के कारण भारी मशीनरी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा को पहले ब्रेकर की मदद से निकाला जा रहा है। इसके बाद बाल्टियों में भरकर हाथ से हटाया जा रहा है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी समय लग रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित इलाके तक पहुंचने वाली गलियां इतनी संकरी हैं कि एक समय में मुश्किल से एक व्यक्ति ही अंदर जा सकता है और दो लोग आमने-सामने भी खड़े नहीं हो सकते।

छत्तीसगढ़, गुजरात-महाराष्ट्र के बाद देश का चौथा राज्य बना; इंदौर में 450 किलो पनीर पकड़ाया

# मप्र में दूध की जगह वनस्पति से बना पनीर बैन

राष्ट्रबाण | भोपाल | एजेंसी | rashtrabaan.in

**महाराष्ट्र,** गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इस तरह के पनीर के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश दिए।

इसके कुछ घंटे बाद ही इंदौर में पालदा की उमापति इंडस्ट्रीज से 450 किलो लो-फैट पनीर जब्त किया गया। इसकी कीमत करीब 1.17 लाख रुपए बताई गई है।

बता दें कि एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत तेजी से बढ़ी है।

### रोज करीब 400 क्विंटल खपत का अनुमान

मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री करीब 400 क्विंटल होने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने करीब 9 हजार से 12 हजार क्विंटल, यानी 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर खपने की बात सामने आई है। बड़ी मात्रा में इसकी बिक्री को देखते हुए सरकार ने अब इस पर सख्ती का निर्णय लिया है।

### मानवाधिकार आयोग ने भी जताई नाराजगी

एनालॉग पनीर की बिक्री को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (ह्न।ब्ष्ट) ने भी नाराजगी जताई है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों को पत्र लिखने का फैसला किया है। आयोग की ओर से राज्यों से इस तरह के उत्पाद की बिक्री और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर जानकारी मांगे जाने की संभावना है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि एनालॉग पनीर घातक है। इसके लिए एफएसएसएआई को नोटिस देकर पूछ रहे हैं कि इस तरह के पनीर को बेचने की इजाजत क्यों दे रहे हैं। कानूनगो ने कहा कि अगर सिगरेट के ऊपर लिख देते हैं कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो क्या यह हानि करना बंद कर देता है। जब तीन राज्यों की सरकार ने अच्छा निर्णय लिया है तो इस पर अन्य राज्यों को भी निर्णय लिया जाना चाहिए। सिर्फ एरोबिक स्टार्च वाला टेस्ट करने से एनालॉग पनीर पकड़ में नहीं आता है।

# मृदा परीक्षण, मृदा उर्वरता का महत्वपूर्ण औजार

## मिट्टी परीक्षण क्या है

खेत की मिट्टी में पौधों की समुचित वृद्धि एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्राओं का रसायनिक परीक्षणों द्वारा आकलन करना साथ ही विभिन्न मृदा विकास जैसे मृदा– लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच करना मिट्टी परीक्षण कहलाता है ।

## मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता

पौधों की समुचित वृद्धि एवं विकास के लिये सर्वमान्य रूप से सोलह पोषक तत्व आवश्यक पाये गये हैं। यह अनिवार्य पोषक तत्व है। कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फॉस्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम एवं सल्फर इन पोषक तत्वों मे से प्रथम तीन तत्वों को पौधे प्रायः वायु व पानी से प्राप्त करते हैं तथा शेष 13 पोषक तत्वों के लिये ये भूमि पर निर्भर होते हैं। सामान्यतः ये सभी पोषक तत्व भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते हैं। परन्तु खेत में लगातार फसल लेते रहने के कारण मिट्टी से इन सभी आवश्यक तत्वों का ह्रास निरन्तर हो रहा है । असन्तुलित पौध पोषण की दशा में फसलो की वृद्धि समुचित नहीं हो पाती तथा पौधों के कमजोर होने एवं रोग व्याधि, कीट आदि से ग्रसित होने की सम्भावना अधिक रहती है। परिणामस्वरूप फसल उत्पादन कम होता है इसके अतिरिक्त उर्वरक भी काफी महंगे होते जा रहे हैं। अतः इन पोषक तत्वों को खेत में आवश्यकतानुरूप ही उपयोग करना जिससे खेती लाभदायक बन सकती है। खेतों में उर्वरक डालने की सही मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है । अतः मिट्टी परीक्षण उर्वरकों के सार्थक उपयोग एवं बेहतर फसल उत्पादन हेतु नितान्त आवश्यक है ।

## मृदा परीक्षण के उद्देश्य

मृदा परीक्षण के निम्नलिखित उददेश्य है।

- मृदा में आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करना।
- मृदा परीक्षण के आधार पर फसलों के लिए संस्तति देना।
- मृदा परीक्षण के आधार पर क्षेत्रों का मूल्यांकन करना तथा उनका उर्वरता के आधार पर मानचित्र तैयार करना।
- समस्या ग्रस्त भूमियों के लिये मृदा सुधारकों की सही–सही मात्रा का निर्धारण करना।

## मृदा नमूने की गहराई

मृदा नमूने की गहराई फसल के प्रकार, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की सलाह एवं कृषि पद्धतियों (ट्रेक्टर या हल से जुताई) पर निर्भर करती है। सामान्यतः सही गहराई वह होती है जहां तक पौधों की जड़ों को अधिकांशतः पोषण प्राप्त होता है। जो कि फसलों के अनुसार अलग–अलग होती है। मृदा परीक्षण के लिए 0–15 से.मी. तक गहराई से नमूने एकत्र किये जाते है। परंतु ट्रैक्टर आदि से जुताई गहरी होती है तो 0–20 सेमी तक की गहराई से नमूने लिये जाते हैं। अनाज, सब्जी व फूलों की खेती के लिये नमूना 15 सेमी. की गहराई से लेना चाहिए। गहरी जड़ वाली फसलों के लिये नमूने की गहराई एक फिट तक होती है। चारागाह घास के मैदान हेतू नमूना 10 सेमी. की गहराई पर लें। समस्याग्रद मृदाओं जैसे अम्लीय क्षारीय लवणीय मृदाओं में नमूना 0–15 सेमी. के अन्तर पर 1 मीटर तक लेना चाहिए। बागों में मृदा नमूने 15–15 सेमी गहरी पर्तो से अलग–अलग लेना ठीक रहता है। समस्याग्रस्त मिट्टियों में ऐसे स्थानों से अलग नमूना लेना चाहिए जहां फसल की वृद्धि अन्य स्थानों से कम हो अथवा पोषक तत्वों की कमी के लक्षण विधमान है। साथ ही उस स्थान से भी अलग नमूना लेना चाहिए, जो इस समस्याग्रस्त स्थान से लगा हुआ है ऐसे सभी नमूने अलग–अलग एकत्र करने चाहिए। ऊसर भूमियों में भौतिक रूप से अलग दिखाई देने वाले सभी स्थानों से प्राथमिक नमूने लेने चाहिए और प्रत्येक प्रकार का प्रतिशत क्षेत्रफल मालूम करना चाहिए। कंकड़ या कड़ी परत के नमूने भी अलग से एकत्र करने चाहिए, ताकि मिटटी के भिन्न–भिन्न अवयवों को भली– भांति जांच करके सिफारिश दी जा सके।

## नमूना एकत्र करने की विधि

- जिस खेत में नमूना लेना हो उसमें जिग–जैग प्रकार से घूमकर 10–15 स्थानों पर निशान बना ले जिससे खेत के सभी हिस्से उसमें शामिल हो सकें।
- चुने गये स्थानों पर ऊपरी सतह से घास–फूस, कूड़ा–करकट आदि हटा दे।
- इन सभी स्थानों पर 15 सें.मी. (6 –9 इंच) गहरा वी आकार का गड्ढा खोदे । गड्ढे को साफ कर खुरपी से एक तरफ ऊपर से नीचे तक 2 से.मी. मोटी मिट्टी की तह को निकाल ले तथा साफ बाल्टी या ट्रे में डाल लें।
- एकत्रित की गई पूरी मिट्टी को हाथ से अच्छी तरह मिला लें तथा साफ कपड़े पर डालकर गोल ढेर बना लें । अंगूली से ढेर को चार बराबर भागों की मिट्टी अलग हटा दें । अब शेष दो भागों की मिट्टी पुनः अच्छी तरह से मिला लें व गोल बनाये। यह प्रक्रिया तब तक दोहराये जब तक लगभग आधा किलो मिट्टी शेष रह जायें। यही प्रतिनिधि नमूना होगा।
- सूखे मिट्टी नमूने को साफ प्लास्टिक थैली में रखे तथा इसे एक कपड़े की थैली में डाल दें । नमूने के साथ एक सूचना पत्रक जिस पर समस्त जानकारी लिखी हो एक प्लास्टिक की थैली में अन्दर तथा एक कपड़े की थैली के बाहर बांध दें ।
- अब इन तैयार नमूनों को मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला भेजे।

निम्न जानकारी लिखा हुआ सूचना पत्रक नमूनों के साथ रखे एवं ऊपर बांधे–

कृषक का नाम, पिता का नाम, ग्राम/मोहल्ला, डाकघर, विकासखण्ड/तहसील, जिला, खेत का खसरा नम्बर/सर्वे, पहचान, सिंचित/असिंचित, पहले ली गई फसल एवं मौसम, आगे ली जाने वाली फसल एवं, मौसम–, नमूना लेने वाले का नाम/हस्ता. एवं दिनांक, मिट्टी संबंधी अन्य विशेष समस्या ।

## सावधानियां

- खाद के गडढे, मेंढ़ तथा वृक्षों के नीचे से नमूना एकत्र नहीं करना चाहिए।
- तैयार नमूना कभी खुला नहीं छोड़ना चाहिए
- मृदा नमूना खेत के उस स्थान से नहीं लेना चाहिए जहां पर उर्वरकों का बोरा रखा गया हो क्योंकि वहां पर उर्वरक का कुछ न कुछ भाग जरूर गिर जाता है।
- अगर किसी खेत की मृदा परीक्षण पहले किसी प्रयोग शाखा में हो चुका है तो उसका विवरण भी देना आवश्यक है।
- मृदा नमूनों को उर्वरकों के बोरों के पास नहीं रखना चाहिए।
- मृदा नमूनों को उर्वरकों के बोरों के ऊपर नहीं सुखाना चाहिए।
- नमूना जिस गहराई से लिया जाय, वह नमूने के पैकेट पर अंकित होना चाहिए।

## मृदा उर्वरता में कमी के कारण

- मृदा में लगातार खेती होने एवं पर्याप्त खाद उर्वरकों का प्रयोग न किया जाना।
- मृदा में जैवांश जैविक कार्बन का लगातार घटता स्तर ।
- प्रयोग किये जा रहे उर्वरकों के उपयोग क्षमता का कम होना।
- मृदा क्षरण से पोषक तत्वों का धीरे–धीरे ह्रास।
- उर्वरकों का असंतुलित प्रयोग।
- देश के विभिन्न भाग में उर्वरकों के प्रयोग में असमानता।
- सघन खेती का प्रचलन, जिससे एक साथ कई पोषक तत्वों की कमी होना।
- मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग न होना।

## उर्वरता बनाये रखने के लिये सुझाव

- उर्वरकों का प्रयोग हमेशा मृदा परीक्षण के आधार पर एवं फसल विशेष की संस्तुति के अनुसार ही करें।
- उर्वरक प्रबन्धन एक फसल में न करके पूरे फसल चक्र में अपनाएं।
- फसल चक्र में हरी खाद, फसलों के अवशेष तथा दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें।
- दलहनी फसलों में जैविक उर्वरकों का प्रयोग अवश्य करें।
- फसल चक्र में फसलों का चुनाव इस प्रकार करें कि प्रथम फसल से बचे हुये पोषक तत्वों का सही उपयोग हो सके एवं मृदा से पोषक तत्वों का सही अवशोषण हो सके।
- उर्वरकों का प्रयोग हमेशा संतुलित रूप में करें जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता में वृद्धि हो सकें।
- सघन खेती में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन अपनाएं जिसमें उर्वरकों के साथ गोबर की खाद, हरी खाद, फसल अवशेषों एवं जैविक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है।
- नत्रजन उर्वरकों का प्रयोग कई बार में करें। फास्फोरस का प्रयोग रबी वाली फसलों में करें। फसल चक्र के साथ उर्वरक चक्र भी अपनाये जिससे सही उर्वरक उपयोग क्षमता आ सकें।
- उर्वरकों का प्रयोग सही समय, सही विधि एवं सही साधन से करें।

अतः संक्षिप्त में हम यहां कह सकते हैं कि मृदा की उर्वरता हमारी सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। अगर स्वस्थ मृदा, होगी तो हम अधिक अन्न उपजा सकेंगे और बढ़ती जनसंख्या तथा घटते हुये खाद्य उत्पादन के बीच सन्तुलन स्थापित कर सकेंगे।

# कामलिया कीट से बचें

### आक्रमण कब और कैसे होता है-

*यह कीट खाखरा, दुधी, मोथा, पोखर, नदी, नालों के पास लगी पत्तियों एवं सूखी पत्तियों पर बहुतायत में अंडे देता है। अण्डों से लगभग 2–3 दिन में इल्लियां बाहर आकर पौधों की पत्तियों को नुकसान पहुंचाती हैं एवं इस प्रकार इसका फसलों पर आक्रमण शुरू हो जाता है।*

*पोषक पौधे एवं हानि: यह कीट बहु फसल भक्षी कीट है। इसका आक्रमण मक्का, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग, चवला, तिल, सन, सोयाबीन आदि फसलों पर होता है। परंतु सन, उड़द, मूंग, चवला, सोयाबीन आदि फसलों पर अपेक्षाकृत ज्यादा प्रकोप होता है। जिससे फसल पूर्णतः नष्ट हो जाती है। फसलों के अलावा इसका प्रकोप बेर, बेशरम, आंकडा, धतूरा, खिरनी, काचरी आदि पर भी होता है।*

## जैविक नियंत्रण

- *नीम तेल 75 मिली प्रति पंप के साथ 15 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।*
- *नीम की पत्तियों को 10 गुना पानी में 4–5 दिन छांव में रखें। पानी का रंग हरा पीला हो जाने पर 1 लीटर प्रति पंप के हिसाब से स्प्रे करें।*
- *एक किलो नीम के पत्ते 3 लीटर पानी में डालकर उबाल लें, जब आधा घोल रह जावे तब उसे छानकर 150 लीटर पानी में घोलकर तैयार करें।*
- *आधा किलो हरी मिर्च व लहसुन पीसकर 150 लीटर पानी में डालकर छान लें तथा एक एकड़ के लिये इस घोल का छिड़काव करें।*

## यांत्रिक नियंत्रण

- *खेत की मेड़ के पास चारों ओर एक फीट चौड़ी तथा डेढ़ फीट गहरी खाई खोद लें।*
- *इसमें से इल्ली निकल नहीं पायेंगी। एक बाल्टी में 3/4 भाग पानी भरकर 4 मिली घासलेट डालकर थोड़ी देर बाद नाली में ही डाल दें, तब इल्ली मर जावेगी।*
- *संभव हो तो इसी नाली में वर्षा का पानी रोकें तथा उसमें थोड़ा–थोड़ा घासलेट नाली के एक सिरे से दूसरे सिरे तक डाल दें। तब इल्ली मर जावेगी।*
- *जंगल तरफ से रेंगती इल्लियों को काठी के झाड़ू से या लकड़ी (पिराने) से पीट–पीट कर नष्ट कर दें।*
- *खेत की मेढ़ों के पलाश के पौधे फेंके ताकि कीट की इल्ली की पंखी अंडे नहीं दे सकें। यह पौधा कीट के लिये सबसे प्रिय होता है।*
- *रात को खेत में अलाव जलावें। इससे इस इल्ली की नर/ मादा पंखी उड़कर आयेगी और आकर नष्ट हो जायेगी।*
- *इल्लियों को हाथ से चुन–चुन कर एक छोटी बाल्टी में पानी भरकर उसमें 5 मिली घासलेट डालकर उसमें डूबा दे इल्ली मर जायेगी।*
- *प्रारंभिक अवस्था में जब इल्लियां पत्तियों पर समूह में रहती हैं। तब उन्हें पत्तियों सहित तोड़कर नष्ट कर दें।*
- *इस कीट के व्यस्क प्रकाश प्रपंच की ओर आकर्षित होते हैं। अतः प्रकाश प्रपंच लगायें।*

## रसायनिक नियंत्रण

- *क्विनालफॉस 1.5 प्रतिशत या मिथाईल पैराथियान 2 प्रतिशत 25 किलो प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव करें।*
- *क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी 1250–1500 मिली प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करे या*
- *मेढ़ों तथा बंधानों को भी सुझाई गई दवा मात्रा से उपचारित करें।*

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 13 अगस्त 2026

# बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

# रहस्यमयी बीमारी से दो महीने में 8 बच्चों की मौतः 3 साल की बच्ची ने तोड़ा दम

दिग्विजय बोले-बीमारों को एयरलिफ्ट करो

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**बालाघाट** जिले के आदिवासी इलाकों में रहस्यमयी बीमारी के चलते 26 जून से अब तक 8 बच्चों की जान चली गई है। जबलपुर मेडिकल कॉलेज और बालाघाट के डॉक्टरों की टीम ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया, लेकिन मौतों की असली वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है।

**अब तक इन बच्चों की गई जान**

लमनिन धुर्वे (13)
साहिल धुर्वे (1)
पूजा धुर्वे (1 साल 9 माह)
सचिन मरकाम (5)
प्रीति मरकाम (4)
अरविंद धुर्वे (4)
मंगली मरकाम
प्रियंका धुर्वे (3)

टीम के मुताबिक, बीमार बच्चों में निमोनिया, एनीमिया यानी खून की कमी, डिहाइड्रेशन, बुखार, खुजली, मलेरिया और किडनी पर असर जैसे लक्षण मिले हैं। सैंपल पुणे की लैब में भेजे गए हैं। इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। हालांकि, यह रिपोर्ट कब तक आएगी, इस पर स्वास्थ्य विभाग कुछ भी बोलने से बच रहा है।

### दिग्विजय का सीएम को खत- जांच कराएं, मुआवजा दें

आदिवासी इलाकों में बच्चों की लगातार मौतों पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने मामले की राज्यस्तरीय जांच कराने, जिम्मेदार अफसरों पर सख्त कार्रवाई करने और मृत बच्चों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की सहायता राशि देने की मांग की है। दिग्विजय ने बीमार बच्चों को एयरलिफ्ट कर नागपुर, रायपुर और भोपाल के बड़े अस्पतालों में भर्ती कराने और इलाज का पूरा खर्च सरकार की ओर से उठाने की बात भी कही है।

### सिविल सर्जन बोले- कई बीमारियों से जूझ रही थी प्रियंका

सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि सभी बच्चे अडोरी और मछुरदा पंचायत के गांवों के रहने वाले थे। प्रियंका धुर्वे को 9 अगस्त को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 11 अगस्त की रात उसने दम तोड़ दिया। बच्ची कई बीमारियों से जूझ रही थी और उसे बचाने की पूरी कोशिश की गई थी।

# हर घर तिरंगा अभियानः बिरसा में निकली भव्य तिरंगा पदयात्रा

विधायक संजय उइके ने बढ़ाया उत्साह, देशभक्ति के नारों से गूंजा बालाघाट

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**स्वतंत्रता** दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत जनपद पंचायत बिरसा में भव्य तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम सहित देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। पदयात्रा के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रप्रेम और गौरव के साथ मनाने का संदेश दिया गया। पदयात्रा में शामिल लोगों का उत्साह देखते ही बना।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक संजय उइके ने कहा कि तिरंगा भारत की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और गौरव का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम एवं जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की। जनपद पंचायत बिरसा के जनप्रतिनिधियों ने भी नागरिकों से अभियान को सफल बनाने तथा स्वतंत्रता दिवस को उत्साह, गरिमा एवं राष्ट्रभक्ति के साथ मनाने का आह्वान किया।

पदयात्रा में विधायक संजय उइके, जनपद पंचायत बिरसा अध्यक्ष श्रीमती सविता धुर्वे, उपाध्यक्ष हेमंत साहू, जनपद सदस्य लक्ष्मीकांत धुर्वे, सामाजिक कार्यकर्ता नीलकंठ राहंगडाले, शिव ग्वाल, प्रकाश डहरवाल सहित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत बिरसा में भव्य तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया।

## लालबर्रा महाविद्यालय में निकली तिरंगा रैली, विद्यार्थियों ने बनाई मानव श्रृंखला

**शासकीय** महाविद्यालय लालबर्रा में 12 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। अभियान का आयोजन 9 से 17 अगस्त तक किया जा रहा है, जिसके माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता दिवस उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के निर्देशन में आयोजित रैली में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने तिरंगा लेकर सहभागिता की। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से परिसर गूंज उठा। विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया गया। रैली के बाद महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेंद्र कुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

## डाईट छात्रों ने निकाली देशभक्ति रैली

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) बालाघाट के डीएलएड विद्यार्थियों ने नगर में देशभक्ति रैली निकाली। इस रैली का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना रहा। रैली में डीएलएड विद्यार्थियों ने तिरंगा लेकर नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान 'घर-घर तिरंगा फहराएंगे, आजादी का अमृत उत्सव मनाएंगे', 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्', 'मेरा देश तिरंगा-मेरी शान' तथा 'हर घर तिरंगा-हर दिल तिरंगा' जैसे देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। डाईट प्राचार्य नरेश प्रसाद मलगाम ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने की महत्वपूर्ण पहल है। तिरंगा देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष की याद दिलाता है। यह अभियान नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जुड़ाव को मजबूत करता है। तिरंगा देश की शान, एकता और अखंडता का प्रतीक है तथा हर घर तिरंगा अभियान देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ने का संदेश देता है।

## एसएसपी कॉलेज में गूंजे देशभक्ति के तराने

तिरंगा संगीत समारोह आयोजित

**हर** घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालय, वारासिवनी में 12 अगस्त को इंदिरा कक्ष में तिरंगा संगीत समारोह का आयोजन किया गया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण के साथ किया गया। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. रक्षा निकोसे, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी कृष्णा परते एवं कार्यक्रम प्रभारी हिमांशु गुरदे के नेतृत्व में आयोजित समारोह में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

तिरंगा संगीत समारोह में देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। छात्र-छात्राओं में कु. रश्मि बिरनवार, लकेश झोड़े, कु. अंकिता शेण्डे, कु. स्मृति भौरगड़े एवं काजल पटले ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. मनोज गजभिये ने किया। समारोह में समस्त स्टॉफ व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

## वंचित विद्यार्थियों के लिए परीक्षा 19 अगस्त को

**बालाघाट।** राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बीएससी प्रथम वर्ष पुरानी पूरक परीक्षा में बीएससी प्रथम वर्ष मेजर द्वितीय के एनालिटिकल केमेस्ट्री प्रश्नपत्र की परीक्षा 7 अगस्त 2026 को आयोजित की गई थी। उक्त परीक्षा से वंचित छात्र-छात्राओं के लिए पुनः परीक्षा 19 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जो परीक्षार्थी 7 अगस्त को आयोजित परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे, वे ही 19 अगस्त को होने वाली पुनः परीक्षा में सम्मिलित होंगे। वहीं, जिन विद्यार्थियों ने 7 अगस्त को इस प्रश्नपत्र की परीक्षा पहले ही दे दी है, उन्हें पुनः आयोजित परीक्षा में शामिल नहीं होना है। विश्वविद्यालय ने परीक्षार्थियों से परीक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

## सघन जागरूकता अभियान का जिला चिकित्सालय से शुभारंभ

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**एचआईवी/एड्स** एवं यौन जनित संक्रमणों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक सघन जागरूकता अभियान का शुभारंभ 12 अगस्त को जिला चिकित्सालय, बालाघाट से किया गया। अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं आमजन को एचआईवी/एड्स से बचाव, सुरक्षित व्यवहार, समय पर जांच एवं उपचार तथा संक्रमण से जुड़े भ्रम और भेदभाव को दूर करने के लिए जागरूक किया गया।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. परेश, डॉ. प्रियव्रत सोनकर डॉ. सुषमा गोयल, एआरटी की डॉ. मीनल नागपुरे सहित नाको एवं एनएसीपी के समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों एवं एनएसीपी स्टाफ द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से युवाओं को विशेष रूप से एचआईवी की रोकथाम, यौन जनित रोगों के प्रति सतर्कता, समय पर HIV/STI screening एवं testing कराने तथा आवश्यकता होने पर उचित उपचार एवं परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया।

# आईआरआरआई वैज्ञानिकों ने परखी धान की सीधी बुवाई तकनीक

उपयुक्त किस्मों पर चल रहा परीक्षण

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**धान** की खेती में पानी, श्रम एवं लागत कम करने के उद्देश्य से अपनाई जा रही धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तकनीक के अनुसंधान एवं प्रदर्शन का अवलोकन करने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), फिलीपींस के वैज्ञानिकों ने कृषि महाविद्यालय बालाघाट एवं नवेगांव कलां का भ्रमण किया। इस दौरान आईआरआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं पौध प्रजनक डॉ. शलभ दीक्षित तथा विज्ञान संचार विशेषज्ञ मर्टेल ऐनी वेलेंजुएला मौजूद रहीं।

वैज्ञानिकों ने कृषि महाविद्यालय फार्म एवं नवेगांव कलां के किसानों के खेतों में संचालित यादृच्छिक निर्यंत्रित परीक्षण (आरसीटी) एवं अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) का निरीक्षण किया। इन परीक्षणों में डीएसआर के लिए उपयुक्त धान की विभिन्न किस्मों एवं कृषि प्रबंधन पद्धतियों का परीक्षण किया जा रहा है। आईआरआरआई वैज्ञानिकों ने नवेगांव कलां के किसान रोहित कुमार ठाकरे, डोंगरू भाऊ बिसेन एवं चुम्बकलाल चौहान के खेतों का भ्रमण किया।

### आईआरआरआई परियोजना के तहत अनुसंधान

कृषि महाविद्यालय में डॉ. उत्तम बिसेन के मार्गदर्शन में आईआरआरआई परियोजना के अंतर्गत डीएसआर तकनीक पर अनुसंधान किया जा रहा है। अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने महाविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों की जानकारी दी। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. शिव रामाकृष्णा ने परियोजना के उद्देश्यों तथा बालाघाट में संचालित परीक्षणों की जानकारी साझा की। कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. रमेश अमूले ने वैज्ञानिकों को महाविद्यालय फार्म एवं किसानों के खेतों में संचालित परीक्षणों का अवलोकन कराया। डॉ. विक्रम सिंह गौर, डॉ. सोलंकी एवं डॉ. शिवानी जवाहरकर ने भी विभिन्न अनुसंधान प्रयोगों की जानकारी दी।

# मिशन शक्ति अभियान ने जगाई जागरूकता की अलख

छात्राओं से लेकर महिला श्रमिकों तक पहुंची सुरक्षा और स्वावलंबन की जानकारी

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**महिला** एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर विभिन्न स्थानों पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्टर श्री सत्यम कुमार एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार सुंद्रियाल के मार्गदर्शन में प्रशासक वन स्टॉप सेंटर सुश्री रचना चौधरी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किए।

विकासखंड परसवाड़ा के एकीकृत माध्यमिक शाला उड़दना, शासकीय हाई स्कूल नाटा तथा विकासखंड बैहर के शासकीय हाई स्कूल कंदई में छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को महिला-बाल सुरक्षा और उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। पुलिस विभाग से श्री गुलाब लाल अहिरवार एवं श्री नितिन जोशी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से केस वर्कर श्रीमती संध्या चौधरी एवं श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े ने योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार तथा हिंसा या शोषण की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति भी जागरूक किया गया।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग की बैठक

# गांव-गांव डोर-टू-डोर मॉनिटरिंग के निर्देश

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

**कलेक्टर** कुमार सत्यम ने 12 अगस्त बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर बिरसा एवं बैहर क्षेत्र में हाल ही में बीमार हुए बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में कुंडेकसा सहित बोंदारी और कोरका गांवों में बीमार बच्चों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बिरसा क्षेत्र की 20 गांवों की 5 ग्राम पंचायतों तथा बैहर क्षेत्र की 20 गांवों की 4 ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाए। प्रत्येक गांव में बीमार बच्चों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी गांव का एक भी बच्चा स्वास्थ्य निगरानी से नहीं छूटना चाहिए।

### प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य अमले की तैनाती

कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने मुख य चिकित् सा एवं स् वास् थ य अधिकारी को निर्देशित किया कि बिरसा और बैहर के चिन्हित 40 गांवों में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले की ड्यूटी लगाई जाए। प्रत्येक गांव में सेक्टर सुपरवाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, सहायिका और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वहीं प्रत्येक दो गांवों के लिए एक मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। इसके तहत कुल 40 एएनएम, 40 आशा कार्यकर्ता, 40 सहायिका तथा 20 मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही एक-एक ईएमयू और एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गांव में घर-घर जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जाए। बच्चों में बीमारी के लक्षण पाए जाने पर तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी गांवों में उपस्थित रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए।

### आंगनवाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई पर जोर

कलेक्टर सत्यम ने आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 13 अगस्त 2026

# सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

## बाहुबली चौक से पुलिस अधीक्षक बंगले तक का बुरा हाल, लेकिन अध्यक्ष जी दे रहे सिर्फ ज्ञान!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

ज्ञानचंद सनोडिया
कार्यकारी अध्यक्ष।

**जिला** मुख्यालय की सड़कें इन दिनों प्रशासनिक लाचारी, जनप्रतिनिधियों की अनदेखी और अवैध कब्जेधारियों के हौसलों की गवाह बन चुकी हैं। बाहुबली चौक से पुलिस अधीक्षक निवास रोड पर दिन-प्रतिदिन पैर पसारता अतिक्रमण अब आम जनता के लिए सिरदर्द बन चुका है। हैरानी और ताज्जुब की बात तो यह है कि यह वही सड़क है, जिससे हर रोज नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया अपने निवास से नगर पालिका दफ्तर तक का सफर तय करते हैं। लेकिन अध्यक्ष जी की नाक के नीचे पनप रहे इस अतिक्रमण पर उनकी खामोशी कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

# नगर की सड़कों पर सिस्टम पस्त, अतिक्रमण मस्त!

AI IMAGE

### अध्यक्ष के ज्ञान तले अंधेरा, रोज़ गुजरते हैं फिर भी आंखें मूंदे हैं!

स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि नगर पालिका के आला हाकिम रोज इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन उन्हें सड़क पर पसरा यह अव्यवस्था का साम्राज्य नजर नहीं आता। शहर में चर्चा गरम है कि अध्यक्ष जी जनता को नसीहतें और ज्ञान बांटने में तो सबसे आगे रहते हैं, लेकिन जब खुद के रास्ते के अतिक्रमण को हटाने की बात आती है, तो उनके सारे दावे और वादे हवा में उड़ जाते हैं। दिन ढलते-ढलते बाहुबली चौक से एसपी बंगले वाली यह सड़क किसी तंग गली में तब्दील हो जाती है। सड़क के दोनों ओर दुकानें, ठेले और अवैध कब्जे इस कदर पसर जाते हैं कि पैदल चलना भी दूभर हो जाता है।

### मासूम बच्चों की जान दांव पर

शाम का समय होते ही इस इलाके की स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है। कोचिंग सेंटरों से छूटने वाले छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ जब इस संकरी हो चुकी सड़क पर उतरती है, तो राहगीरों की सांसें अटक जाती हैं। वही इस सड़क में अतिक्रमण के कारण दो-पहिया और चार-पहिया वाहनों का निकलना दूभर हो जाता है। आए दिन गाड़ियां आपस में रगड़ खाती हैं और बच्चे बाल-बाल बचते हैं। वही ऐसा लग रहा है कि किसी बड़े हादसे के इंतजार में बैठा है संबंधित विभाग। स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि शाम के वक्त कोचिंग से लौटने वाले बच्चों की सुरक्षा पूरी तरह से भगवान भरोसे है। सड़क पर पसरे अतिक्रमण के कारण दुर्घटना की आशंका हर पल बनी रहती है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन गहरी नींद में सो रहा है।

**छुटभैया नेताओं का संरक्षण, पुलिस करती है कार्रवाई आका आ जाते हैं आड़े!**

इस पूरे मामले का सबसे कड़वा सच यह है कि जब भी यातायात पुलिस अपनी मुस्तैदी दिखाते हुए अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसने की कोशिश भी करती है, तो सत्ता के गलियारों में मंडराने वाले छुटभैया नेता तुरंत ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं। राजनीतिक संरक्षण की आड़ में अतिक्रमण करने वालों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाने से भी नहीं चूकते। जैसे ही पुलिस की कार्रवाई शुरू होती है, वैसे ही इन छुटभैया नेताओं के फोन बजने लगते हैं और कार्रवाई को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

### कब जागेगा प्रशासन?

अब सवाल यह उठता है कि क्या सिवनी नगर पालिका और स्थानीय प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी या दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? क्या ज्ञानचंद सनोडिया केवल भाषणों तक ही सीमित रहेंगे या अपनी ही राह में फैले इस अतिक्रमण पर कोई ठोस कदम उठाएंगे? शहर की जनता अब खोखले दावों से ऊब चुकी है और उसे सड़क पर धरातल वाली सख्त कार्रवाई चाहिए, ताकि बाहुबली चौक से एसपी निवास रोड को इस अतिक्रमण रूपी ग्रहण से मुक्ति मिल सके।

# करोड़पति क्लर्क के ठिकाने पर ईओडब्ल्यू की रेड

## 50 लाख की दुकान, 4 किलो चांदी, 200 ग्राम सोना और तीन गाड़ियां मिली ; पत्नी के नाम पर ब्यूटी पार्लर

मंडला | संवाददाता
rashtrabaan.in

श्वेतांक चौरसिया, लिपिक।

**मंडला** में फॉरेस्ट क्लर्क श्वेतांक चौरसिया के घर बुधवार सुबह जबलपुर ईओडब्ल्यू ने छापा मारा 14 सदस्यीय टीम की तलाशी में करीब 50 लाख रुपए की दुकान, 5 लाख रुपए नगद, तीन-चार किलो चांदी 150-200 ग्राम सोने के आभूषण और तीन फोर-व्हीलर मिलने की जानकारी सामने आई है।

ईओडब्ल्यू की गोपनीय जांच में चौरसिया का व्यय ज्ञात आय से करीब 290 परसेंट अधिक पाया गया था। उनकी वैधानिक आय करीब 55-60 लाख रुपए आंकी की गई है। तलाशी में सामने आई संपत्तियों के बाद यह अंतर करीब 400 परसेंट तक पहुंचाने की संभावना ईओडब्ल्यू ने जताई है, बैंक के चारों खातों के साथ लॉकर और स्नष्ठ भी जांच की जा रही है।

### मंडला में ईओडब्ल्यू की टीम दस्तावेज खंगाल रही

जबलपुर ईओडब्ल्यू ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत पर मंडला के पश्चिम सामान्य वन मंडल में पदस्थ सहायक गेट-3 लिपिक श्वेतांक चौरसिया के खिलाफ जांच शुरू की चौरसिया को करीब 20 साल पहले अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। ईओडब्ल्यू ने मंडला न्यायालय से तलाशी वारंट लेकर राज राजेश्वरी वार्ड स्थित उनके आवास पर छापा मारा।

ईओडब्ल्यू जबलपुर की 14 सदस्यीय टीम सुबह चौरसिया के घर पहुंची और तलाशी शुरू की। कार्रवाई में दो डीएसपी स्वर्णजीत सिंह धामी और मनजीत सिंह, तीन इंस्पेक्टर और तीन हवलदार समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे। स्थानीय स्तर पर मेडिकल टीम, दो राजपत्रित गवाह और सुरक्षा बल भी मौजूद रहे।

दस्तावेज खंगालती ईओडब्ल्यू की टीम

### 50 लाख की दुकान और नगद भुगतान की जांच

ईओडब्ल्यू के मुताबिक चौरसिया की अब तक की वैधानिक आय करीब 55 से 60 लाख रुपए आंकी गई है। तलाशी में एक भवन और करीब 50 लाख रुपए की दुकान खरीदे जाने की जानकारी सामने आई। टीम ने घर में मौजूद दस्तावेजों संपत्ति से जुड़े कागजात और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की। जांच एजेंसी को आशंका है की दुकान के सौदे में बड़ी मात्रा में नगद भुगतान किया गया। करीब 45 से 50 लाख रुपए नगद भुगतान किए जाने की बात सामने आई है। ईओडब्ल्यू अब लेनदेन के दस्तावेज और भुगतान के स्रोत की जांच कर रही है। रजिस्ट्री में संपत्ति की कीमत कम दर्शाए जाने की आशंका की भी जांच की जा रही है।

### 3 फोर-व्हीलर और चार बैंक खातों की जानकारी

ईओडब्ल्यू को चौरसिया के नाम से तीन फोर-व्हीलर वाहन, एलआईसी की पॉलिसीयो और चार बैंक खातों की जानकारी मिली है। इसके अलावा बैंक लॉकर और एफडी होने की जानकारी सामने आई है, ईओडब्ल्यू अब इन खातों, लॉकर, एफडी और बीमा पॉलिसीयों में जमा रकम और उनके स्रोत की जांच कर रही है। जांच में चौरसिया की पत्नी के ब्यूटी पार्लर का भी पता चला है। ईओडब्ल्यू के अनुसार इस व्यवसाय की जानकारी कथित तौर पर शासन को नहीं दी गई थी। तलाशी से ब्यूटी पार्लर से संबंधित आयकर रिटर्न, नगर निगम या एमएसएमई पंजीयन से जुड़े दस्तावेज नहीं मिलने की बात सामने आई है।

### 290% से 400% तक पहुंच सकता है, आय-व्यय का अंतर

ईओडब्ल्यू की शुरुआती गोपनीय जांच में चौरसिया का व्यय उनकी ज्ञात आय से करीब 290% अधिक पाया गया था। बुधवार की तलाशी में सामने आई नई संपत्तियों और दस्तावेजों के बाद ईओडब्ल्यू ने यह अंतर करीब 400% तक पहुंचाने की संभावना जताई है। हालांकि यह अभी अंतिम आंकड़ा नहीं है।

### अंतिम मूल्यांकन के बाद साफ होगी पूरी संपत्ति

फिलहाल ईओडब्ल्यू की कार्रवाई जारी है। टीम संपत्ति के दस्तावेज,बैंक खातों, लॉकर, एफडी, स्नष्ट पॉलिसीयों, वाहनों और परिवार से जुड़ी आय के स्रोत की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगा कि चौरसिया के पास कुल कितनी संपत्ति है और उसमें से कितनी उनकी वैध आय के अनुपात में है।

# सिवनी जिला अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा का जनाज़ा

## बनीं शो-पीस 6 में से 5 गाड़ियां, क्या वेंटिलेटर पर है जिला मुख्यालय की स्वास्थ्य व्यवस्था?

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**जिला** अस्पताल सिवनी का नाम भले ही बड़े-बड़े होर्डिंग्स और सरकारी विज्ञापनों में जगमगाता हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह अस्पताल खुद इमरजेंसी केयर की बाट जोह रहा है। रात के वक्त जब सड़क हादसों में घायल ज़िंदगी और मौत के बीच झूलते हुए यहां पहुंचते हैं, तो उन्हें इलाज कम और रेफर का पर्चा ज्यादा थमाया जाता है। लेकिन असली त्रासदी तो इसके बाद शुरू होती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए जीवनदायिनी कही जाने वाली 108 एंबुलेंस सेवा सिवनी जिला मुख्यालय में पूरी तरह दम तोड़ चुकी है।

**6 में से केवल 1 एंबुलेंस चालू, वो भी सिर्फ 7 किमी की मेहमान!**

बीती रात जब जिला अस्पताल के हालातों का जायजा लिया गया, तो जो सच सामने आया वह रोंगटे खड़े कर देने वाला है। वही कहने को जिला अस्पताल में 6 एंबुलेंस खड़ी हैं, लेकिन इनमें से 5 पूरी तरह बंद और कबाड़ हो चुकी हैं। वही जो एकमात्र एंबुलेंस चालू हालत में है, उसकी क्षमता भी केवल 5 से 7 किलोमीटर तक चलने की है। यानी जबलपुर या छिंदवाड़ा ले जाना तो दूर, यह शहर की सीमा लांघने में भी हांफने लगती है। यदि इमरजेंसी पडने पर जिला अस्पताल को छपारा या बरघाट सिविल अस्पताल से 108 एंबुलेंस मंगवानी पड़ती है।

**घंटों का इंतजार और अपनों की टूटती सांसें**

सोचिए! जिला मुख्यालय का जब यह आलम है, तो दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल होगा? हादसे के बाद गंभीर मरीज को जबलपुर या छिंदवाड़ा रेफर कर दिया जाता है, लेकिन एंबुलेंस के इंतजार में घंटे बीत जाते हैं। सवाल यह है कि जब तक छपारा या बरघाट से एंबुलेंस सिवनी पहुंचेगी, क्या तब तक कोई गंभीर रूप से घायल मरीज सांसें गिनता रहेगा? क्या सरकारी व्यवस्था की इस लापरवाही का खामियाजा जनता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ेगा?

### वकील नवीन्दो मिश्रा ने खोला पोल, वीडियो वायरल

स्वास्थ्य तंत्र की इस शर्मनाक बदहाली का खुलासा उस वक्त हुआ जब वकील नवीन्दो मिश्रा ने देर रात जिला अस्पताल पहुंचकर 108 एंबुलेंस सेवा की पोल खोलती हुई एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इस वीडियो के सामने आते ही प्रशासनिक महकमे और जनप्रतिनिधियों के दावों की धज्जियां उड़ गई हैं। वही बड़ा सवाल यह है कि आखिर हमारे जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी किस गहरी नींद में सो रहे हैं? क्या वोट मांगने के लिए बड़े-बड़े वादे करने वाले नेताओं को जनता की यह बेबसी नजर नहीं आती? क्या सिवनी की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है?

### आस्था और प्राकृतिक का संगम

छिंदवाड़ा। आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत संगम : श्री मनमोहक महादेव शिव टेकड़ी, सिवनी

# खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता जांच हेतु लिए नमूने

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**खाद्य** सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सोनू तिवारी द्वारा बताया गया कि कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा 12 अगस्त को बरघाट एवं धारना क्षेत्र में चलित खाद्य प्रयोगशाला से विभिन्न डेयरियों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए।

इसी क्रम में ठाकुर डेयरी प्रोडक्ट बरघाट से पनीर, साँची दूध डेयरी न्यू बस स्टैंड बरघाट से मिक्स दूध एवं दही तथा कृष्णा दूध डेयरी धारना से दूध का नमूना लिया गया। केवलारी स्थित नवीन राय खोवा भण्डार से गाय के दूध एवं खोवा के नमूने भी जांच हेतु संग्रहित किए गए।

इसके पूर्व 11 अगस्त को धूमा स्थित नारायण डेयरी से गाय-भैंस मिश्रित दूध, लखनादौन डेयरी से घी तथा केहरी दूध डेयरी धनौरा से पनीर, दूध एवं दही के नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए। असुरक्षित पाए गए घी ब्रांडों की बिक्री रोकने के लिए प्रतिष्ठानों के बिल, बीजक एवं सप्लाई चेन की जांच भी की जा रही है। इसी क्रम में बाहुबली होटल सिवनी में एआरवी संस्था द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण, प्रमाणन एवं पंजीयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में खाद्य कारोबारकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण पत्र लिए। 13 अगस्त को केवलारी में खाद्य कारोबारकर्ताओं के लिए पंजीयन एवं प्रमाणन कैंप आयोजित किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सोनू तिवारी ने खाद्य कारोबारियों से अपने प्रतिष्ठानों का नियमानुसार पंजीयन एवं प्रशिक्षण प्रमाणन कराने की अपील की है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सिवनी में हुआ आयोजन

# हर घर तिरंगा अभियानः शहर में निकाली विशाल रैली

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**प्रधानमंत्री** कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सिवनी में 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत 9 से 17 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रवि शंकर नाग के संरक्षण में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में तिरंगे के इतिहास पर प्रश्नोत्तरी एवं विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रवि शंकर नाग ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के विकास एवं ऐतिहासिक सफर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास वर्ष 1906 से प्रारंभ होता है तथा वर्तमान स्वरूप को 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। उन्होंने कहा कि भारतीय तिरंगा देश की आत्मा, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का अमर प्रतीक है। यह हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की निरंतर याद दिलाता है।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. गणेश कुमार मंतारे ने कहा कि भारतीय तिरंगा देशवासियों को एक सूत्र में बांधता है तथा वैश्विक मंच पर भारत की संप्रभुता और स्वतंत्र पहचान का प्रतिनिधित्व करता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, महत्व एवं सम्मान से संबंधित जानकारी दी गई तथा प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर से भैरोगंज होते हुए पुलिस ग्राउंड सिवनी तक विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक, महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं स्टाफ ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ. पवन वासनिक एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर कमलेश टेमरे के निर्देशन में किया गया। पुलिस ग्राउंड सिवनी में जिला प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। विधायक दिनेश राय मुनमुन एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अजय बाबा पांडे के निर्देशन में तिरंगा रैली पुलिस ग्राउंड से बाहुबली चौक एवं शुक्रवारी चौक होते हुए कन्या महाविद्यालय सिवनी पहुंची, जहां रैली का समापन किया गया।

# 12 अक्टूबर तक जिलेभर में आयोजित होंगे जागरूकता कार्यक्रम

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**जिला** मुख्यालय स्थित मिशन इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार, 12 अगस्त 2026 को सघन एचआईवी-एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज दुबे तथा जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. जयज काकोडिया उपस्थित रहे।प्रदेश में यह सघन जागरूकता अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के स्कूलों, ग्राम पंचायतों, कारखानों, छात्रावासों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को एचआईवी-एड्स से बचाव, जांच, उपचार एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी दी जाएगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमएचओ डॉ. पंकज दुबे ने छात्र-छात्राओं से एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में भी जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एचआईवी-एड्स को लेकर भ्रम एवं अफवाहों से दूर रहकर सही और प्रमाणित जानकारी को अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने छात्र-छात्राओं से स्वैच्छिक एचआईवी जांच के लिए आगे आने की अपील भी की।जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. जयज काकोडिया ने 'सुरक्षा ही बचाव है' का संदेश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की शंका होने पर बिना संकोच एचआईवी की जांच एवं परामर्श कराया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में एचआईवी जांच एवं परामर्श की सुविधा निःशुल्क एवं पूर्णतः गोपनीय है। इस दौरान उन्होंने एचआईवी संक्रमण के प्रमुख कारणों की जानकारी भी छात्र-छात्राओं को दी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433